AIM Awaken India Movement
awakenindiamovement.com

बिल गेट्स - भारत छोड़ो

1. वैक्सीन मर्डर / साइड इफेक्ट्स / वैक्सीन एजेंडा - बिल गेट्स द्वारा प्रचारित टीकाकरण नीति एक सोची समझी साजिश है। यह वैश्विक संसाधनों पर पूर्ण नियंत्रण तथा और ज्यादा पैसा कमाने का जरिया है।

- भारत में, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन **(बीएमजीएफ)** ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक को कोविड के टीके बनाने के लिए काफी फंड दिया है। इन टीको को अभी तक अप्रूवल नहीं मिला है और यह संक्रमण या उसके फैलाव को नहीं रोकते हैं। इस टीके के कारण हजारों रिएक्शन , दुष्प्रभाव और मौतें हुई हैं।
- 2009 में**, बीएमजीएफ** द्वारा फंड किया हुआ पीएटीएच नामक एक गैर सरकारी संगठन ने आंध्र प्रदेश और गुजरात में 32000 आदिवासी लड़कियों पर एचपीवी टीकों के अवैध और गैरकानूनी परीक्षण किए, जिसके परिणामस्वरूप 7 मौतें हुईं और सैकड़ों विनाशकारी दुष्प्रभाव हुए। भारत के सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है.
- भारत में 490000 से अधिक बच्चे 2000 और 2017 के बीच लकवा के शिकार हुए जो **बीएमजीएफ** द्वारा प्रायोजित ओरल पोलियो वैक्सीन के कारण हुआ ।
- 2010 में, सात अफ्रीकी देशों में, **बीएमजीएफ** द्वारा फंड किया हुआ मलेरिया वैक्सीन परीक्षण हुआ जिसमे 151 मौतें , 1048 लकवा, दिल के दौरे और ज्वर जैसे गंभीर प्रतिकूल प्रभाव दिखाई दिए।
- इसी तरह की कहानी चाड (अफ्रीका) से सामने आई है, जहां 50 शिशुओं , जिन्हें मेनिन्जाइटिस का टीका लगाया गया था, उन्हें लकवा हो गया था।
- गेट्स भविष्य की महामारियों के लिए mRNA (वैक्सीन) प्रदान करने के लिए भारत में विशाल कारखाने बनाने की योजना बना रहा हैं।
- **बीएमजीएफ** ने एक वैक्सीन तकनीक विकसित करने के लिए 21 मिलियन डॉलर से अधिक का फंड दिया है जो टैटू जैसी प्रणाली का उपयोग करता है जिसमे त्वचा के नीचे अदृश्य नैनोकणों को इंजेक्ट किया जाता है।

2. जनसंख्या नियंत्रण / यूजीनिक्स - बिल गेट्स दुनिया भर में कई परिवार नियोजन और नसबंदी कार्यक्रमों को फंडिंग कर रहे है जिससे जनसंख्या को नियंत्रित किया जा सके

- भारत में, बीएमजीएफ यूपी, बिहार, झारखंड, राजस्थान, मध्य जैसे राज्यों में प्रजनन दर को कम करने के लिए परिवार नियोजन प्रभाग, एमओएचएफडब्ल्यू और भारत सरकार को "सहायता" प्रदान कर रहा है। इस कार्यक्रम के परिणामस्वरूप हजारों निर्दोष महिलाओं को नसबंदी के दुष्प्रभावों का सामना करना पड़ रहा है ।
- 2014 में, WHO (बिल गेट्स द्वारा मुख्य रूप से फंड की गयी संस्था) और UNICEF द्वारा अफ्रीका में 2.3 मिलियन महिलाओं को टेटनस के टीके दिए गए थे, जिसमे एक प्रजनन-विरोधी हार्मोन था। इसकी वजह से 500000 से अधिक औरते बाँझ हो गयीं।

3. प्रकृति-विरोधी, जीवन-विरोधी एजेंडा - गेट्स ऐसी कई तकनीकों को फंड कर रहा है जो मानव-विरोधी और प्रकृति-विरोधी हैं, और इससे धरती पर हमारे अस्तित्व को ही खतरा पैदा हो रहा है।

- बिल गेट्स और एंथनी फॉची ने वुहान (चीन)और यूक्रेन में प्रयोगशालाओं को फंड करके वायरस को और अधिक घातक बनाने के तरीके खोजे हैं
- गेट्स उन तकनीकों में अरबों डॉलर का निवेश कर रहे हैं जो पर्यावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को कम करने या हटाने में सक्षम बनाती हैं। इससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है।
- गेट्स कृत्रिम स्तन दूध , GMO बीज , कृत्रिम मांस बनाने वाली तकनीकों को भी फंड करता है।

4. डिजिटल ट्रैकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) - एंड टू एंड सर्विलांस एंड डेथ ऑफ प्राइवेसी।

- गेट्स ने ID 2020 को फंड किया है जो आपके जीवन के हर पहलू को एक डिजिटल पहचान से जोड़ने में सक्षम है जिससे आप एक डिजिटल जेल में हमेशा के लिए फंस जायेंगे।
- गेट्स समर्थित स्टार्ट-अप अर्थनाउ का उद्देश्य सरकारों और कंपनियों को पृथ्वी पर लगभग किसी भी स्थान का रीयल-टाइम वीडियो फीड प्रदान करना है। उपग्रहों में "मशीन इंटेलिजेंस" भी होगा। जिसका अर्थ है कि वे किसी भी स्थान , व्यक्ति की हमेशा निगरानी कर सकते हैं।

अजिंक्य - 9321234861 | चेतन - 8879592924 | हेमंत – 8830398392

अपडेट के लिए टेलीग्राम चैनल से जुड़ें: **t.me/awakenindiamovement**